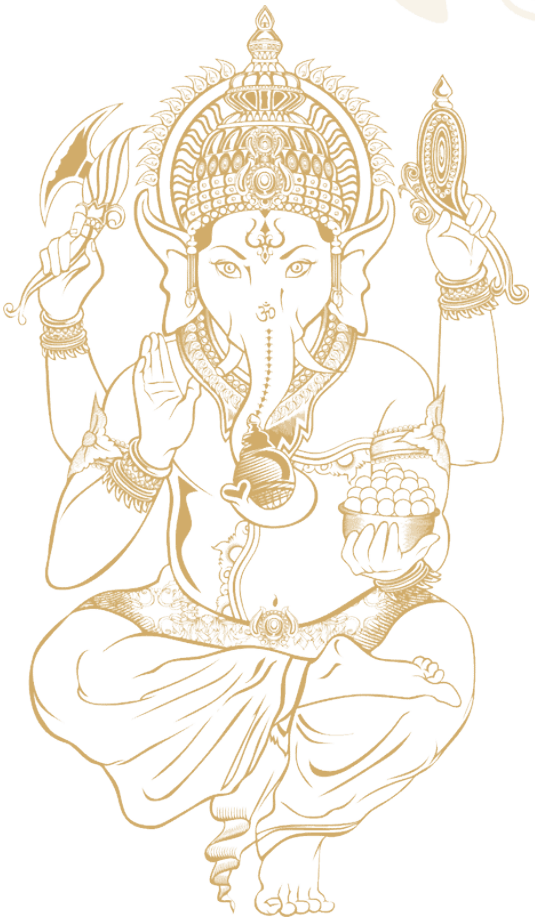

Divya Kapur

23 Mar 1976

09:24 PM

Dehradun

Model: web-freelalkitab

Order No: 119907302

लाल किताब

बिमारी का बगैर दवाई भी इलाज है, मगर मौत का कोई इलाज नहीं।
ज्योतिष दुनियाबी हिसाब-किताब है, कोई दावाऐ खुदाई नहीं।

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**23/03/1976**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**21:24:00 घंटे**
इष्ट	37:43:55 घटी
स्थान	**Dehradun**
राज्य	Uttarakhand
देश	India

दादा का नाम	
पिता का नाम	
माता का नाम	
जाति	
गोत्र	

अक्षांश	30:19:00 उत्तर
रेखांश	78:03:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:17:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	21:06:12 घंटे
वेलान्तर	-00:06:36 घंटे
साम्पातिक काल	09:11:14 घंटे
सूर्योदय	06:18:26 घंटे
सूर्यास्त	18:30:51 घंटे
दिनमान	12:12:25 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	09:37:01 मीन
लग्न के अंश	17:35:32 तुला

चैत्रादि संवत / शक	2032 / 1897
मास	चैत्र
पक्ष	कृष्ण
सूर्योदय कालीन तिथि	8
तिथि समाप्ति काल	12:11:51
जन्म तिथि	9
सूर्योदय कालीन नक्षत्र	मूल
नक्षत्र समाप्ति काल	08:43:20 घंटे
जन्म नक्षत्र	पूर्वाषाढ़ा
सूर्योदय कालीन योग	वरियान
योग समाप्ति काल	21:38:30 घंटे
जन्म योग	वरियान
सूर्योदय कालीन करण	कौलव
करण समाप्ति काल	12:11:51 घंटे
जन्म करण	तैतिल
भयात	31:41:39
भभोग	61:32:25
भोग्य दशा काल	शुक्र 9 वर्ष 7 मा 19 दि

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	राशि	अंश	स्थिति	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
लग्न	तुला	17:35:32	---	--	--	--	नेक
सूर्य	मीन	09:37:01	मित्र राशि	--	हाँ	--	नेक
चन्द्र	धनु	20:14:33	सम राशि	--	--	--	नेक
मंगल	मिथुन	08:45:04	शत्रु राशि	--	--	--	नेक
बुध	मीन	00:48:16	नीच राशि	--	हाँ	--	नेक
गुरु	मेष	05:50:15	मित्र राशि	--	--	--	मन्दा
शुक्र	कुम्भ	17:06:12	मित्र राशि	--	--	--	नेक
शनि	व कर्क	02:30:49	शत्रु राशि	--	--	--	नेक
राहु	व तुला	19:50:36	मित्र राशि	--	--	--	नेक
केतु	व मेष	19:50:36	मित्र राशि	--	--	--	नेक

भाव स्थिति

खाना नं.	मालिक	पक्का घर	किस्मत जगानेवाला	सोया	उच्च	नीच
1	मंगल	सूर्य	मंगल	--	सूर्य	शनि
2	शुक्र	गुरु	चंद्र	हाँ	चंद्र	--
3	बुध	मंगल	बुध	--	राहु	केतु
4	चंद्र	चंद्र	चंद्र	हाँ	गुरु	मंगल
5	सूर्य	गुरु	सूर्य	--	--	--
6	बुध	बुध,केतु	केतु	--	बुध,राहु	शुक्र,केतु
7	शुक्र	शुक्र,बुध	शुक्र	--	शनि	सूर्य
8	मंगल	मंगल,शनि	चंद्र	हाँ	--	चंद्र
9	गुरु	गुरु	शनि	--	केतु	राहु
10	शनि	शनि	शनि	--	मंगल	गुरु
11	शनि	शनि	गुरु	--	--	--
12	गुरु	गुरु,राहु	राहु	हाँ	शुक्र,केतु	बुध,राहु

लग्न कुंडली

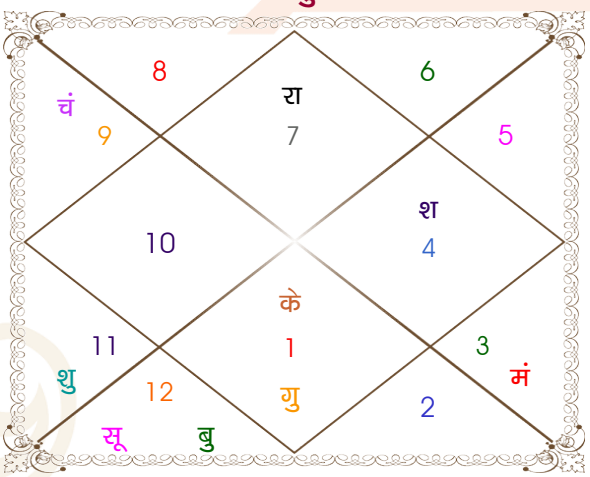

लालकिताब कुंडली

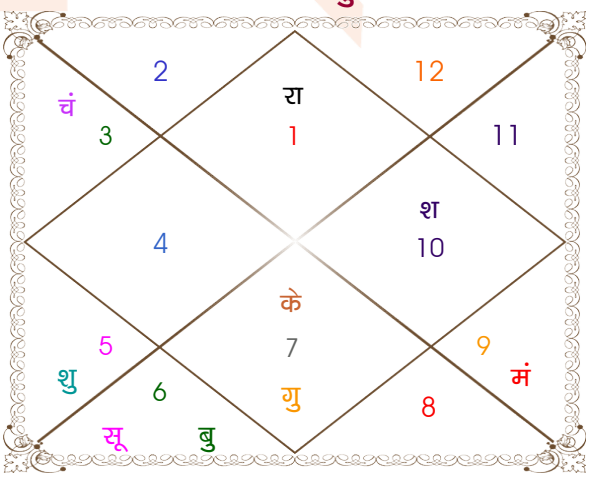

लाल किताब ग्रह फल

सूर्य

आपकी जन्मकुंडली के छठे खाने में सूर्य पड़ा है। इसकी वजह से आपको ननिहाल से सुख मिलेगा और मुकद्दमें में जीत होगी। मित्र और शत्रु आप से दब कर रहेंगे। आप अपने भाग्य से संतुष्ट रहेंगी। आप अपने भाग्य पर भरोसा रखेंगी, बेफिक्र रहेंगी। आप का जन्म ननिहाल या अस्पताल में हुआ होगा। शारीरिक सुख अच्छा रहेगा। पुत्र जन्म के बाद अगर बुरा समय होगा तो अच्छा समय आएगा अर्थात् लड़के की पैदाइश के बाद आपका जीवन स्थिर हो जाएगा और आपका भाग्योदय होगा। पिता/ससुर को मिला रुतबा और बढ़ेगा। पति एवं संतान का सुख अधिक मिलेगा। आप पुत्रवती होंगी। दूसरे पुरुषों के साथ संबंध रहेगा, ऐसी संभावना रहती है। आपके चरित्र पर कोई बुरा प्रभाव नहीं पड़ेगा। आप अपना काम बदल सकती हैं और उस बदले हुए काम से अच्छा फल मिलेगा। बुढ़ापे में रात का आराम, पूजा-पाठ, दान-पुण्य का शुभ असर मिलेगा। डाक्टर/कैमिस्ट के काम से लाभ होगा।

यदि आपने बहन से धन की ठगी की, सरकारी अधिकारियों से धोखा किया और मुकद्दमेंबाजी में अपना ध्यान रखा, हर समय दूसरों की तरफ मांगने की नीयत रखी तो आपका सूर्य मंदा हो सकता है या किसी कारण वश सूर्य मंदा हो गया हो तो सूर्य के मंदे असर से, कोर्ट में मुकद्दमों पर अधिक खर्च होगा। पांव में खराबी हो सकती है। पापी ग्रहों के संयोग से बुरा समय आरंभ होगा। जीवन में एक बार पतन होना संभव है। मामा का हाल खराब रहेगा। गुस्सा अधिक आएगा या रक्तचाप का रोग होगा। आपके नौकरी-व्यापार में बार-बार तबदीली हो सकती है। सूर्य का मंदा समय 21-22 साल की उम्र में होगा, पति पर भी बुरा असर पड़ सकता है। आप अपने बाप/ससुर या बेटे के साथ एक शहर या गांव में रह कर धन नहीं कमा सकतीं।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. बहन से झगड़ा न करें।
2. समय कैसा भी रहे दान या कर्ज न मांगें।

उपाय :

1. चांदी या दरिया का पानी घर में कायम करें।
2. बंदर को गेहूं-गुड़ खिलायें।

चन्द्र

आपकी जन्मकुंडली के तीसरे खाने में चंद्रमा पड़ा है। इसकी वजह से मैदाने जंग में हार या हानि नहीं होगी। आप मधुरभाषिणी, परिश्रमी, सच्चरित्र, मृत्युरक्षक एवं भातृ सुख से पूर्ण रहेंगी। चंद्रमा आपके सहायक हैं। चोरी से बचाव होगा। भाई से धन-दौलत प्राप्त होगी।

जन्मदिन के बाद का हर तीसरा महीना श्रेष्ठ रहेगा। आप साहसी होंगी। हर प्रकार की शरारत का जवाब देने की आप में क्षमता होगी। आपके मन में शांति रहेगी। सांसारिक जीवन में भी आप योगी जैसे स्वभाव की होंगी। यदि आप साधू हो जाएं तो ऋद्धि-सिद्धि की साधना की मालकिन होंगी। गृहस्थी, धन-दौलत की भंडारी होंगी। आपके परिवार में स्त्रियों की संख्या अधिक होगी। आपके घर में पुरुषों की इज्जत होगी तो आपका भाग्योदय होगा। आपका पति से प्रेम और सेवा उत्तम फल देगी। कुदरत लंबे हाथों से आपकी मदद करेगी। गरीबों पर तरस खाएंगी। आपके पिता/ससुर को कम और माता/सास को अधिक सुख मिलेगा। माता-पिता/सास-ससुर में से एक की लंबी आयु होगी। दिमागी शक्ति अच्छी रहेगी। लड़की की शादी में उसके ससुराल वालों से पैसा लेना जहर जैसा असर देगा। आप सरकार या विद्यापीठ से सम्मानित होंगी। आपको शतरंज-तैराकी का शौक हो सकता है।

यदि आप होस्टल वार्डनर हैं और विद्यार्थियों का सामान खुर्द-बुर्द किया, रिश्तेदारों का विरोध किया, भाई-बहन का हिस्सा दबाया या ब्याही बहन का धन लेकर वापिस न किया तो आपका चंद्रमा मंदा हो सकता है या किसी कारण वश चंद्रमा मंदा हो गया हो तो चंद्रमा के मंदे असर से भाई-बहन को अपमानित किया या भाई-बहन को दुःखी किया तो आपके घर में चोरी का भय और यात्रा में हानि हो सकती है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. बहन-भाई/ननद से झगड़ा न करें।
2. यतीमों का सामान हड़प न करें।

उपाय :

1. लडकी/बहन के विवाह में कन्यादान करें।
2. लड़के के जन्म पर गुड़-गेहूं-तांबा दान करें।
3. लड़की के जन्म पर दूध-चावल-चांदी का दान करें।
4. दुर्गापाठ या कन्याओं की सेवा करें।